THIRUVANANTHAPURAM
CORPORATION

PARIHARABODHANAM
(SSLC)

(2022 - 2023)

HINDI

District Institute of Education and Training (DIET)
Thiruvananthapuram

Pariharabodhanam

HINDI

First Edition
November 2022
Layout & Cover Design
Kallingal Graphics, Attingal
Concepts & Conceptualisation
Thiruvananthapuram Corporation
Administrative Charge
Sri. C.C. Krishnakumar, Deputy Director of Education, Thiruvananthapuram
Academic Charge
Dr. Sheejakumari T.R, Principal in Charge, DIET, Thiruvananthapuram
Coordinator
Smt. Geetha Nair, Senior Lecturer, DIET, Thiruvananthapuram

Printing
Govt. Press,
Thiruvananthapuram

പ്രിയ വിദ്യാർത്ഥികളേ,

തിരുവനന്തപുരം നഗരസഭാ പരിധിയിലെ സ്കൂളുകളിൽ പഠിക്കുന്ന വിദ്യാർത്ഥികളുടെ പഠന നിലവാരം വർധിപ്പിക്കുന്നതിനായി നഗരസഭ നടപ്പിലാക്കുന്ന പദ്ധതിയാണ് 'പരിഹാരബോധനം'. മുൻ വർഷങ്ങളിൽ നടത്തിവന്നിരുന്ന പദ്ധതി ഈ വർഷവും വിപുലമായ നിലയിൽ നടപ്പിലാക്കുകയാണ്. പഠനത്തിൽ പിന്നാക്കം നിൽക്കുന്ന വിദ്യാർത്ഥികളെ കൂടുതൽ കരുതൽ നൽകി മുന്നിലേയ്ക്ക് ഉയർത്തുകയെന്നതാണ് നഗരസഭ ഈ പദ്ധതിയിലൂടെ ഉദ്ദേശിക്കുന്നത്. പൊതുവിദ്യാഭ്യാസ രംഗം കൂടുതൽ കരുത്താർജ്ജിച്ച് മുന്നേറുന്ന ഈ കാലഘട്ടത്തിൽ വിദ്യാർത്ഥികൾക്ക് ഗുണമേന്മയുള്ള വിദ്യാഭ്യാസം ഉറപ്പാക്കുന്നതിനും വിവിധ തലങ്ങളിൽ മികവ് തെളിയിക്കാനുള്ള അവസരമൊരുക്കുന്നതിനും സർക്കാരും നഗരസഭയും പ്രതിജ്ഞാബദ്ധമാണ്. അക്കാദമികവും ഭൗതികവുമായ സൗകര്യങ്ങൾ കൂടുതൽ മെച്ചപ്പെട്ട് കേരളത്തിലെ പൊതുവിദ്യാഭ്യാസ രംഗം ശ്രദ്ധേയമായ മാതൃകയായി മാറിയിരിക്കുകയാണ്. ഈ സന്ദർഭത്തിൽ നമ്മുടെ വിദ്യാർത്ഥികൾക്ക് ഉന്നത പഠനത്തിന് ഉപകരിക്കുന്ന തരത്തിൽ പഠന നിലവാരം മെച്ചപ്പെടുത്തുക എന്നതാണ് നാം ലക്ഷ്യമിടുന്നത്. മികച്ച അധ്യാപകരുടെ സഹായത്തോടെ പഠനം അസ്വാദ്യകരമാക്കി മാറ്റിക്കൊണ്ട് കുട്ടികളെ മികച്ച നിലാരത്തിലേയ്ക്ക് ഉയർത്തുകയെന്ന ലക്ഷ്യത്തിന്റെ സാധൂകരണം കൂടിയാണ് പരിഹാരബോധനം എന്ന ബൃഹത് പദ്ധതി. ഈ പദ്ധതിയുടെ ഭാഗമാകുന്ന എല്ലാ പ്രിയപ്പെട്ട വിദ്യാർത്ഥികൾക്കും അഭിനന്ദനങ്ങൾ അറിയിക്കുന്നതോടൊപ്പം മികച്ച വിജയം ആശംസിക്കുന്നു.

സ്നേഹത്തോടെ

ആര്യാരാജേന്ദ്രൻ എസ്.
മേയർ
തിരുവനന്തപുരം നഗരസഭ

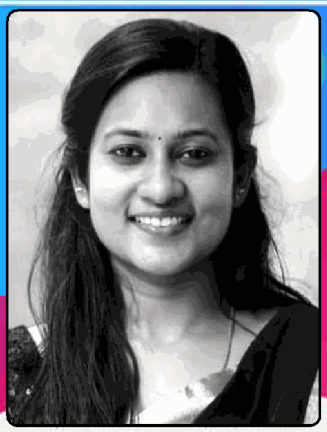

പ്രിയപ്പെട്ട കുട്ടികളേ,

തിരുവനന്തപുരം നഗരസഭാ പരിധിയിൽ വരുന്ന ഹൈസ്കൂൾ, ഹയർസെക്കന്ററി വിഭാഗം കുട്ടികളുടെ പഠനനിലവാരം ഉയർത്താനും പൊതുപരീക്ഷയിൽ ഉയർന്ന ഗ്രേഡ് കരസ്ഥമാക്കാനും ലക്ഷ്യമിട്ടുകൊണ്ട് മുൻവർഷങ്ങളെപ്പോലെ പരിഹാരബോധനം പദ്ധതി ഈ വർഷവും നടപ്പിലാക്കിവരുന്നതിൽ അതിയായ സന്തോഷവും അഭിമാനവും ഉണ്ട്. ഈ വർഷത്തെ പൊതുപരീക്ഷയ്ക്ക് നേരത്തെതന്നെ തയ്യാറെടുക്കുന്നതിനും എല്ലാ വിഷയങ്ങളിലെ പാഠഭാഗങ്ങളിലൂടെ ആവർത്തിച്ചുകടന്നുപോകാനും പരിചയപ്പെടാനും സാധിക്കട്ടെ എന്ന് ആശംസിക്കുന്നു.

ഡോ.നീന കെ.എസ്.
ചെയർപേഴ്സൺ
(വിദ്യാഭ്യാസ കായിക സ്റ്റാന്റിംഗ് കമ്മിറ്റി)
തിരുവനന്തപുരം കോർപ്പറേഷൻ

Members participated in the workshop

1. **Sri. Anilkumar.N**

   Govt. HSS, Kilimanoor

2. **Smt. Safeenabeevi. S**

   Govt.HSS for Girls, Attingal

3. **Smt. Raji.R.S**

   PNMGHSS, Koonthalloor

4. **Smt. Bushra.A.R**

   Govt. HSS, Kilimanoor

5. **Smt. Ramanimurali**

   Govt.HSS, Venjaramoodu

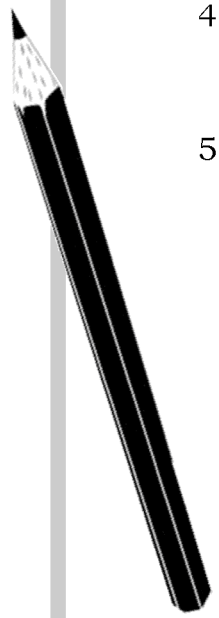

अनुक्रम

Unit 1 ..... 7 - 17

बीरबहूटी

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था

टूटा पहिया

Unit 2 ..... 18 - 28

आई एम कलाम के बहाने

सबसे बड़ा शो मेन

Unit 3 ..... 29 - 34

अकाल और उसके बाद

ठाकुर का कुआँ

Unit 4 ..... 35 - 38

बसंत मेरे गाँव का

दिशाहीन दिशा

Unit 5 ..... 39 - 42

बच्चे काम पर जा रहे हैं

गुठली तो पराई

इकाई -1
बीरबहूटी कहानी
सारांश

हिंदी के महान कवि और कहानीकार प्रभात की कहानी।
पाँचवीं कक्षा के दो छात्र साहिल और बेला के बीच होनेवाली सच्ची मित्रता की कहानी।
एक साथ स्कूल जाते हैं, एक साथ पढ़ते हैं, एक साथ खेलते हैं।
एक साथ बीरबहूटी खोजते हैं।
दूकान में भी एक साथ जाते हैं।
गणित के अध्यापक सुरेंदर जी बेला से बुरा व्यवहार करते समय दोनों दुखी होते हैं।
एक ही समय पर बेला के सिर पर और साहिल की पिंडली पर चोट होती है।
छठी कक्षा में आने पर दोनों अलग-अलग स्कूल जाते हैं।
साहिल को पिता अजमेर के स्कूल के हॉस्टल में रहकर पढ़ाने का निश्चय करता है।
दोनों बडे दुख में हैं।

1. साहिल और बेला बीरबहूटियों को कहाँ खोजते थे?

   खेतों में ।

2. बीरबहूटियों की विशेषताएँ क्या-क्या थीं ?

   सुर्ख, मुलायम और गदबदी।

3. धरती पर चलती-फिरती खून की प्यारी-प्यारी बूँदें-कौन हैं ?

   बीरबहूटियाँ ।

4. 'बीरबहूटियों का रंग तुम्हारे रिबन जैसा लाल है।' यह किसने कहा?

   साहिल ने ।

5. 'मुझे पैन में स्याही भरवानी है।' किसने स्याही ज़मीन पर छिड़क दिया?

   साहिल ने ।

6. 'इसने जमीन पर स्याही छिड़क दिया।' यह किसने कहा?

   बेला ने ।

7. 'बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए'। किसने कहा?

दुकानदार ने कहा।

8. 'कौन-सी में पढ़ते हो? '- किसने पूछा ?

दुकानदार ने ।

9. खेल घंटी के बाद कौन आता है ?

गणित के मास्टर सुरेंदर जी।

10. ज़रा-सी गलती पर बच्चों को कौन मारते थे ?

सुरेंदर जी ।

11. सुरेंदर जी ने किसके बालों में पंजा फँसाया ?

बेला के ।

12. किसका मन बहुत खराब हो गया?

बेला का ।

13. बेला साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी । क्यों?

बेला साहिल की नज़र में अच्छी लड़की है।

14. तुम्हारी आँख में आँसू क्यों आ रहे हैं? - यह किसने किससे पूछा?

साहिल ने बेला से ।

15. किसकी आँखें बीरबहूटी की तरह लाल होने लगीं ?

साहिल की ।

विशेषण

लाल बीरबहूटी - लाल

सफ़ेद पट्टी - सफ़ेद

नीली स्याही - नीली

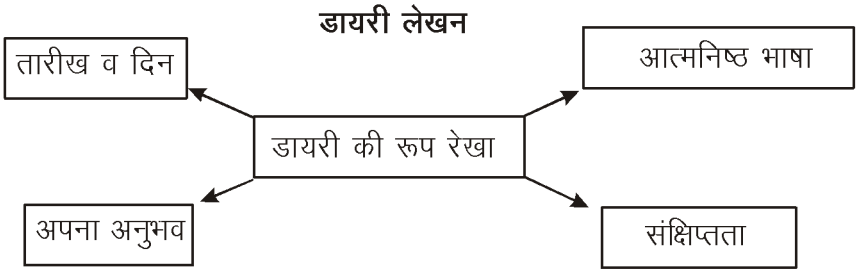

16. एक दिन सुरेंदरजी माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फँसाया। इस घटना पर नीचे की सूचनाओं से बेला की डायरी तैयार करें।

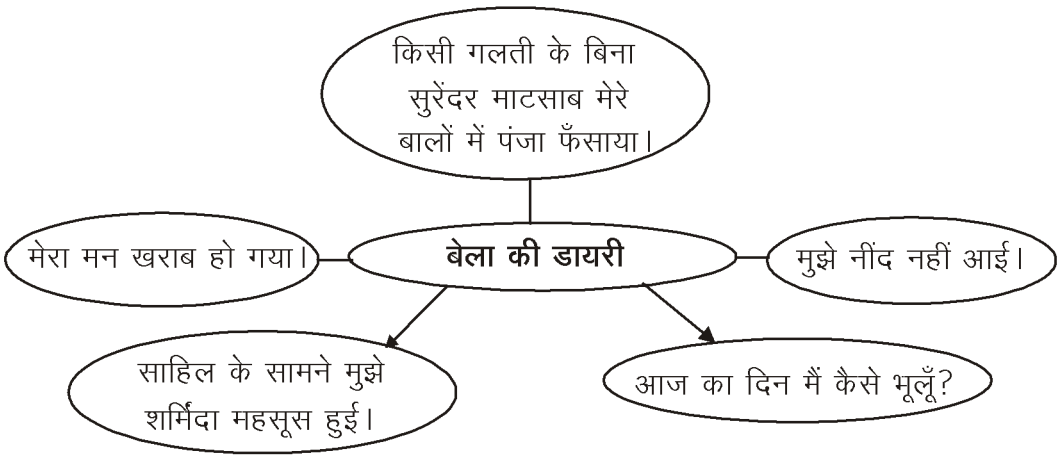

बेला की डायरी

16 जून 2020

मंगलवार

आज का दिन कैसे भूलूँ? मैं साहिल के सामने अपमानित हुई। गणित की कक्षा में सुरेंदरजी कॉपी जाँच रहे थे। मैं ने कॉपी लिखी थी। फिर भी किसी गलती के बिना सुरेंदरजी मेरे बालों में पंजा फँसाया। मेरा मन बहुत खराब हो गया। साहिल के सामने मुझे शर्मिंदा महसूस हुई। क्योंकि मैं उसकी नज़र में बहुत अच्छी हूँ। ऐसा दिन कभी न आएँ। मुझे नींद नहीं आयी। ईश्वर रक्षा करें।

पटकथा

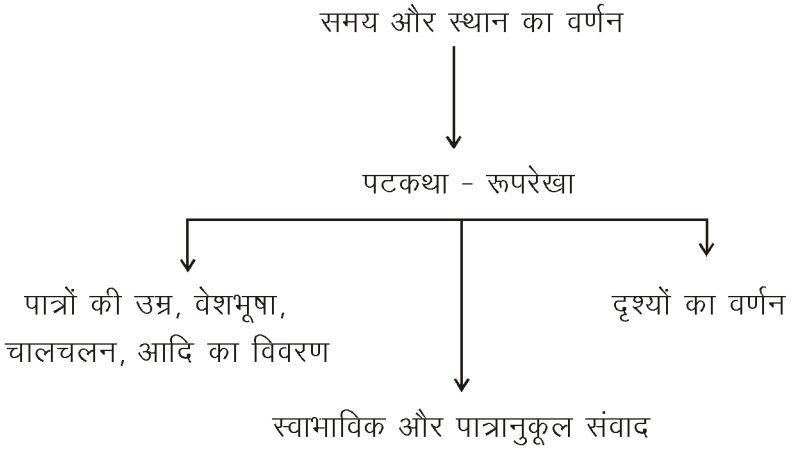

"उन्हें बीरबहूटियों से मिलना होता था। सो वे स्कूल के लिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे। कस्बे से सटे इन खेतों में बीरबहूटियाँ खोजा करते थे। सुर्ख, मुलायम, गदबदी बीरबहूटियाँ।"

17. नीचे दिए सुचना के आधार पर पटकथा तैयार कीजिए।

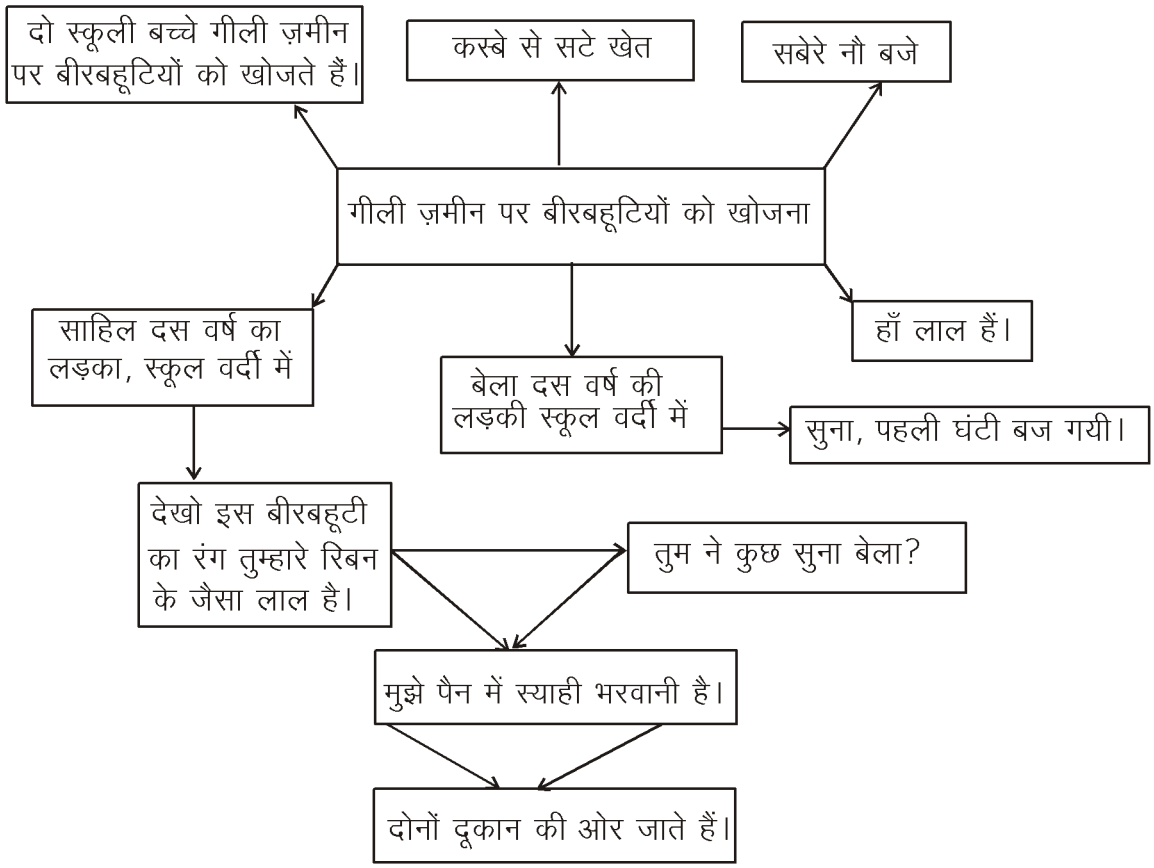

पटकथा

दृश्य : एक

स्थान : कस्बे से सटे खेत।

समय : सबेरे नौ बजे।

(लगभग दस-ग्यारह साल के दो बच्चे बेला और साहिल ज़मीन पर कुछ खोज रहे हैं। दोनों स्कूल वर्दी में हैं।)

साहिल : (खुशी से) हाय बेला, देखो बीरबहूटियाँ।

बेला : (आश्चर्य से) हाय! कितना सुंदर!

साहिल : ठीक है। इस बीरबहूटी का रंग तुम्हारे रिबन के जैसा लाल है।

(स्कूल से घंटी बजने की आवाज़)

साहिल : (खबराकर) तुमने कुछ सुना बेला?

बेला : हाँ सुना। पहली घंटी लग गई है।

साहिल : लेकिन दूकान से मुझे पैन में स्याही भरवानी है।

(दोनों दुकान की ओर जाते हैं।)

18. आपके स्कूल में बीरबहूटी कहानी का मंचीकरण होनेवाला है। नीचे की सूचनाओं से एक पोस्टर तैयार कीजिए।

- सरकारी हयर सेकन्टरी स्कूल तोटुपुषा
- दो बच्चों की दोस्ती की कहानी
- बीरबहूटी
- सब का स्वागत
- कहानी का मंचीकरण
- 15 अगस्त 2020
- मूल कथा : प्रभात

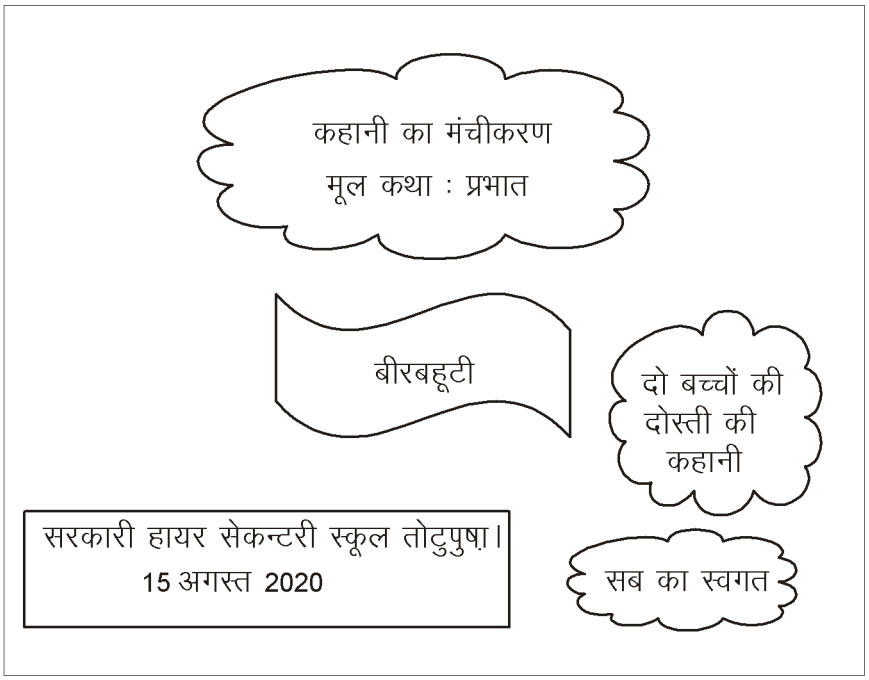

19. सही विकल्प चुनकर लिखें।

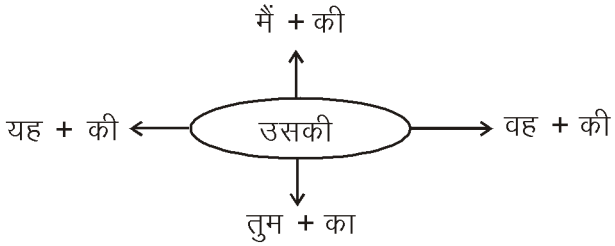

उसकी - वह + की

20. उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड़ की पूर्ती करें।

■ (बेला का, दूख से)

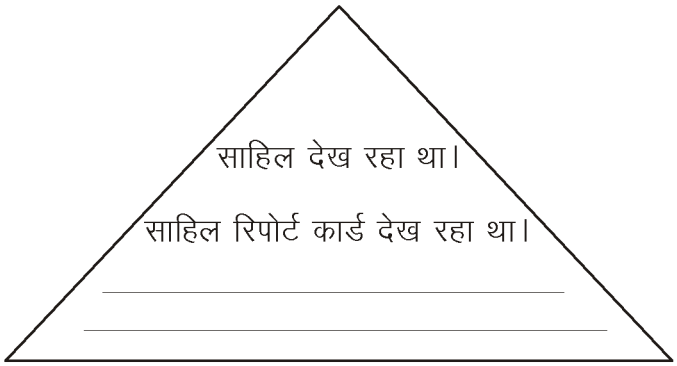

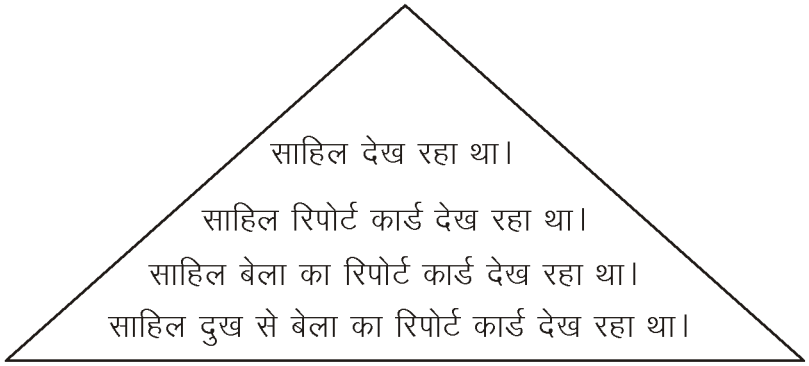

21. "पहली घंटी" में विशेषण शब्द कौन सा है?

पहली

22. साहिल के स्थान पर बेला का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

साहिल रिपोर्ट कार्ड देख रहा था।

बेला रिपोर्ट कार्ड .....।

पाठ - 2

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था।

हिंदी के महान कवि विनोद कुमार शुक्ल की कविता।
कविता पर नरेश सक्सेना की आस्वादन टिप्पणी।
कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने की प्रेरणा देती है।
किसी व्यक्ति के नाम, पता, उम्र, जाति, ओहदे आदि जानने की आवश्यकता नहीं, उसकी निराशा, असहायता या संकट को जानना है।
उसकी इस हालत पर सहायता करना सच्चे मनुष्य का कर्तव्य है।
मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास या मानवीय संवेदना होनी चाहिए।

1. 'जानना' का असली अर्थ है - व्यक्ति की हताशा, निराशा, असहायता या संकट से जानना ।

2. ' जानना' का रूढिग्रस्त आधार है - नाम, पते ,उम्र, ओहदे या जाति से जानना ।

3. दो मनुष्यों के बीच ज़रूरी होना है- मनुष्यता या मानवीय संवेदना ।

4. ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' कविता लगातार किसका बयान करती है?

   ' नहीं जानने' और ' जानने' की बयान करती है ।

5. कविता में 'हाथ बढाने को जानता था', 'हम एक - दूसरे को नहीं जानते थे' -इन प्रयोगों का मतलब क्या है ?

   हमें एक दूसरे की सहायता करनी चाहिए ।

6. सुचना के आधार पर अवयदान के महत्व पर लघु लेख लिखें।

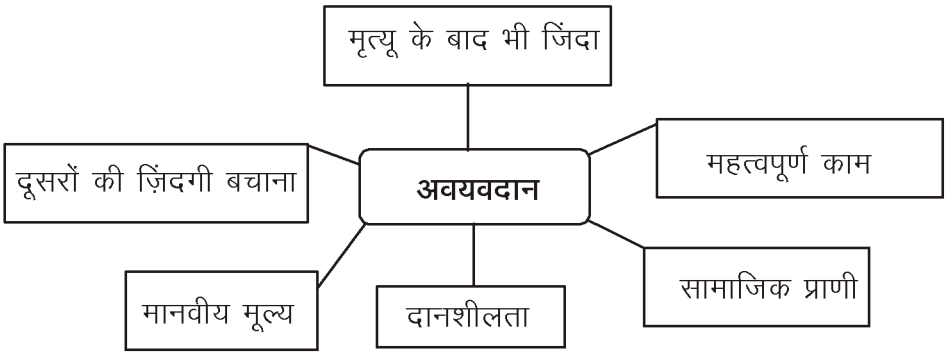

अवयवदान महादान

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। इसलिए दूसरों की सहायता करना उनका कर्तव्य है। प्यार, त्याग, दया भाईचारा, दानशीलता, अवयवदान आदि मानवीय मूल्य अपनाना चाहिए। इनमें अवयवदान एक महत्वपूर्ण काम है। इससे मृत्यु के बाद भी हम जी सकते हैं। उसके साथ दूसरों की ज़िंदगी भी बचा सकते हैं।

7. "नेत्रदान महादान" विषय पर पोस्टर तैयार करें।

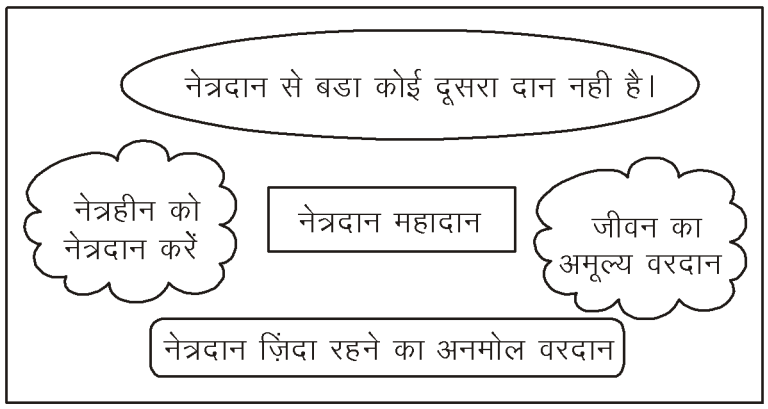

पाठ - 3
टूटा पहिया

हिंदी के महान कवि धर्मवीर भारती की विख्यात कविता।
टूटे पहिए को अनुपयोगी समझकर फेंकना।
अपने मार्ग को असत्य जानते हुए भी बड़े महारथियों ने आक्रमण किया।
इस समय अभिमन्यु टूटे पहिए को हथियार बनाकर उनके ब्रहमासत्रों से लोहा लेता है।
इसप्रकार आज के उपेक्षित और शोषित मानव की रक्षा के लिए टूटे पहिए रूपी मानव मूल्य की सहायता लेनी पड़ेगी।
इसलिए टूटे पहिए को मत फेंको।

1. 'टूटा पहिया' किसकी प्रतीकात्मक कविता है?

   धर्मवीर भारती की ।

2. कविता में ' टूटा पहिया' किसका प्रतीक है?

   लघु और उपेक्षित मानव का ।

3. 'मुझे फेंको मत' ऐसा कौन कहता है ? क्यों?

   टूटा पहिया कहता है कि मुझे अनुपयोगी समझकर मत फेंको । क्योंकि संदर्भ आने पर बेकार समझने वाली ऐसी चीज़ें भी उपयोगी बन जाएँगी ।

4. **रूपरेखा (टिप्पणी)**

   - कवि का परिचय और रचना का मूल उद्देश्य।
   - कविता का आशय।
   - भाषा और रचना की विशेषताएँ।
   - विशेष पंक्तियों का उल्लेख।
   - शीर्षक की सार्थकता
   - निष्कर्ष

   " अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी बडे बेडे महारथी अकेली निहत्थी आवाज़ को अपने ब्रहास्त्रों से कुचल देना चाहें। इन पंक्तियों के आधार पर नीचे की सूचनाओं से टिप्पणी लिखिए।

   - महाभारत युद्ध

- महारथियों का आक्रमण
- निरायुध अभिमन्यु
- ब्रह्मास्त्रों से मारना
- शासक वर्ग का कुचलना

कविता पर टिप्पणी

आधुनिक हिंदी साहित्य के एक प्रमुख कवि श्री धर्मवीर भारती की एक बहुचर्चित कविता है "टूटा पहिया"। पुराण पर आधारित एक प्रतीकात्मक रचना है यह। इस कविता में टूटा पहिया लघु और उपेक्षित मानव का प्रतीक है।

प्रस्तुत पंक्तियों में महाभारत युद्ध के अधर्म की ओर संकेत किया है। यहाँ कौरव पक्ष के महारथी निरायुध पर आक्रमण करते हैं। निरायुध पर आक्रमण करना सत्य के विरुद्ध हैं। महारथी यह असत्य जानकर भी आभिमन्यू को कुचल देना चाहता है।

कवि कहना चाहते हैं कि अंतिम विजय अधर्मियों का नहीं, धर्मियों का है।

5. नीचे दिए आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें।

(क) बालक अभिमन्यु को महारथियों की मुकाबला करने केलिए टूटे पहिए का सहारा मिला।

तब मैं

रथ का टूटा हुआ पहिया

उसके हाथों में

ब्रह्मारत्रों से लोहा ले सकता हूँ।

6. संबंध पहचानकर सही मिलान करें।

◆ टूटा पहिया	◆ महाशक्ति
◆ चक्रव्यूह	◆ अधर्म का विरोधी
◆ अक्षौहिणी सेना	◆ समस्याएँ
◆ अभिमन्यु	◆ लघुमानव

टूटा पहिया	लघुमानव
चक्रव्यूह	समस्याएँ
अक्षौहिणी सेना	महाशक्ति
अभिमन्यु	अधर्म का विरोधी

इकाई -2
पाठ - 4
आई एम कलाम के बहाने

हिंदी के महान रचयिता मिहिर पांडेय का फिल्मी लेख।
आई एम कलाम नामक फिल्म देखने पर लेखक के मन में अपने बचपन की याद आती है।
मोरपाल मिहिर के बचपन का मित्र था।
दोनों का स्वभाव भिन्न है।
मिहिर को स्कूल जाना और युनीफॉर्म पहनना पसंद नहीं था।
लेकिन मोरपाल स्कूल जाते समय और छुटिटयों के समय भी युनीफॉर्म पहनता है।
वह अपने मोहल्ले के किसी शादी में भी युनीफॉर्म पहनकर जाता था।
आई एम कलाम फिल्म के दो पात्र छोटू उर्फ कलाम और रणविजय के स्वभाव भी भिन्न हैं।
छोटू गरीब परिवार का है।
रणविजय ढाणी के राणा का बेटा है।
छोटू राष्ट्रपति कलाम का जैसा बनना चाहता है।
रणविजय स्कूल जाना पसंद नहीं करता है।
छोटू रणविजय की दोस्ती पर ज़ोर देता है।
इसलिए चोरी के झूठे आरोप को सहन करता है।
फिल्म के अंत में छोटू अपने लक्ष्य पर पहूँचता है।

1. लेखक का दोस्त कौन है?

   मोरपाल

2 मिहिर और मोरपाल के बीच का सौदा क्या था?

   खाने की अदला- बदली करने का

3. राजमा चावल किसको पसंद था?

   मोरपाल को

4. छाछ किसको पसंद था?

मिहिर को

5. बचपन में लेखक को स्कूल यूनीफॉर्म पहनना पसंद नहीं था । क्यों?

लेखक के पास स्कूल यूनीफॉर्म से बेहतर कपड़े थे।

6. मोरपाल शादी में भी स्कूल यूनीफॉर्म पहनकर आता था । क्यों?

केवल नीली खाकी स्कूल यूनीफॉर्म थी।

7. मोरपाल का परिवार कैसा था?

गरीब परिवार

8. मोरपाल के जीवन का सबसे अच्छा समय कब था?

स्कूली समय

9. फिल्म का नायक कौन था और उसका सपना क्या था?

छोटू उर्फ़ कलाम। उसका सपना था स्कूल जाना और लंबे बालों वाले राष्ट्रपति कलाम सा बनना।

10. कलाम का साथी कौन था?

रणविजय

11. फिल्म में छोटू कहाँ काम करता है?

भाटीसा की चाय की दूकान में ।

12. लूसी मैडम कलाम को क्या वादा करती है?

दिल्ली लेकर राष्ट्रपति डॉ कलाम से मिलवाएगी।

13. रणविजय को कौन भाषण लिखकर देता है?

छोटू /कलाम

14. फिल्म के अंत में क्या होता है?

कलाम अपने दोस्त के साथ स्कूल जाता है।

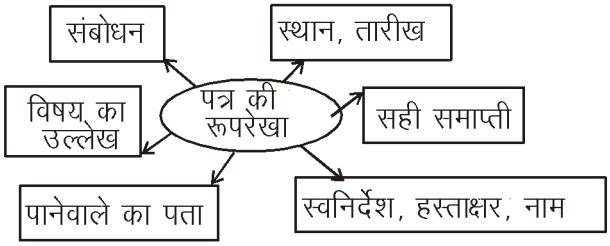

15. आई एम कलाम फिल्म देखने के बाद मिहिर ने मोरपाल को पत्र लिखा। वह पत्र कैसा होगा? सूचना के आधार पर लिखिए।

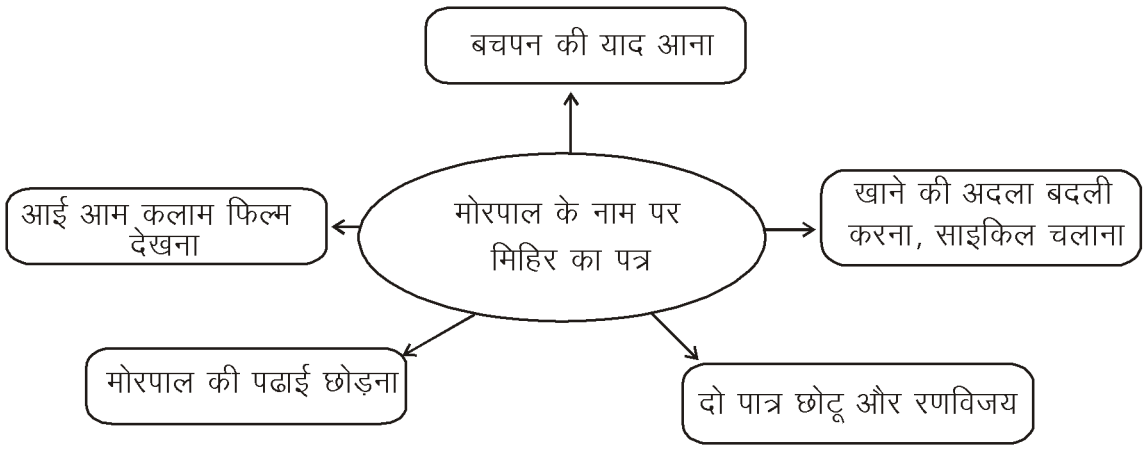

स्थान

तारीख

प्रिय मित्र मोरपाल,

तुम कैसे हो? ठीक है, न ? घर में सब कुशल है न?

पिछले हफ्ते मैं ने आई एम कलाम फिल्म देखा। उस फिल्म के प्रमुख पात्र दो बच्चे हैं, छोटू और रणविजय। तब मुझे हमारे बचपन की याद आई। खाने की अदला-बदली, साइकिल चलाना आदि का। अब हम कब मिले? मेरी आश है कि तुम अपनी पढ़ाई ज़ारी रखें।

जवाब की प्रतीक्षा में।

आपका मित्र

हस्ताक्षर

मिहिर

सेवा में

नाम

पता

16. संबंध पहचानें सही मिलान करें।

आई एम कलाम	राणा का बेटा
मोरपाल	चाय में जादू
रणविजय	नील माधव पांडा
छोटू	एकमात्र स्कूल युनीफॉर्म

आई एम कलाम	नील माधव पांडा
मोरपाल	एकमात्र स्कूल युनीफॉर्म
रणविजय	राणा का बेटा
छोटू	चाय में जादू

17. आई आम कलाम फिल्म का प्रदर्शन होनावाला है। नीचे दी सूचनाओं के आधार पर एक पोस्टर तैयार कीजिए।

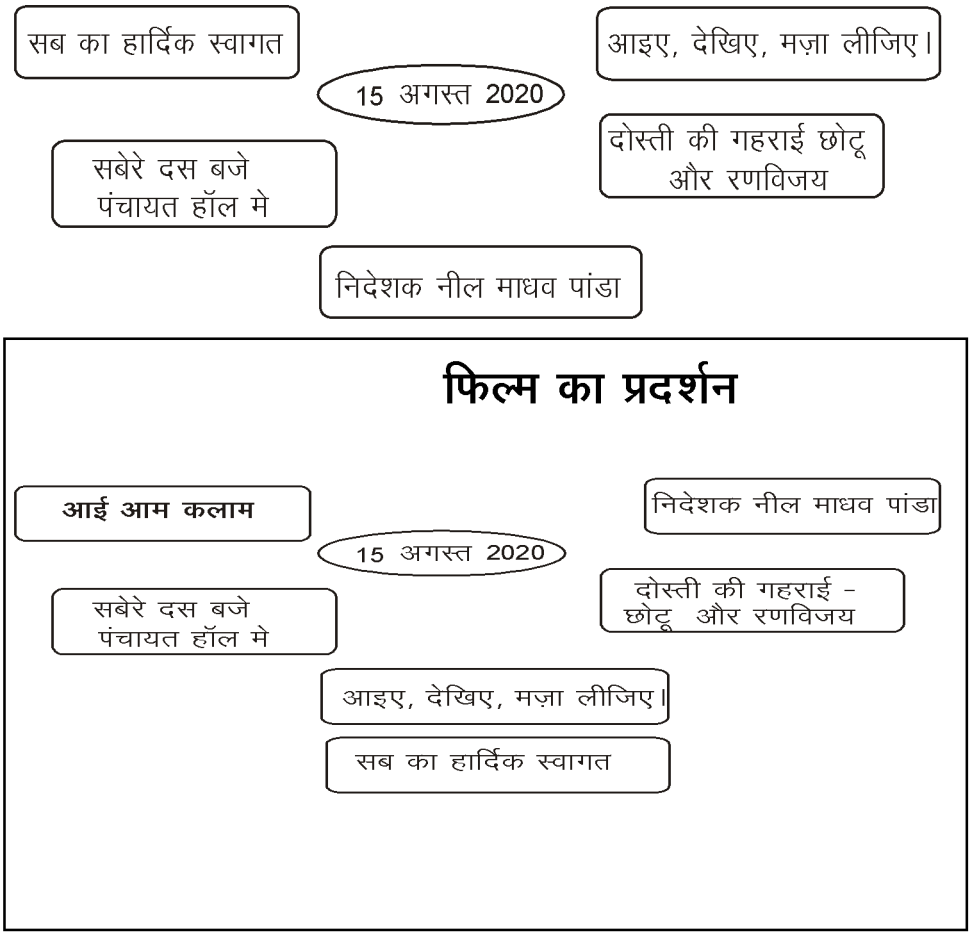

18. उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड़ की पूर्ति करें।

(हाथ की बनाई, छोटू के)

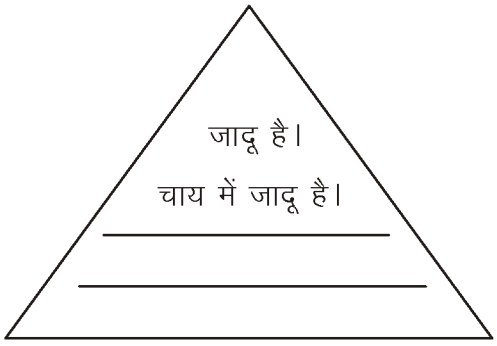

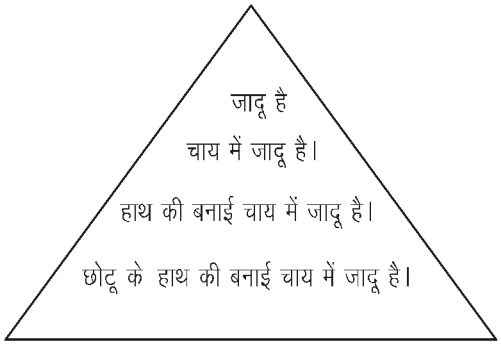

19. हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला-बदली का। खाने के समय मिहिर और मोरपाल के बीच क्या-क्या बातें हुई होंगी? कल्पना करके लिखें।

मिहिर : अरे मोरपाल, खाने की घंटी बजी है। चलो न।

मोरपाल : .....

.....

.....

महिर	:	अरे मोरपाल, खाने की घंटी बज गई है। चलो न।
मोरपाल	:	हाँ, चलें। खाने के लिए क्या है?
मिहिर	:	राजमा-चावल। तुम्हें क्या?
मोरपाल	:	छाछ। क्या, तुम्हें पसंद है?
मिहिर	:	हाँ, बहुत पसंद है। मैं तुम्हें राजमा-चावल दूँगा।
मोरपाल	:	तो ठीक है। (खाने की अदला-बदली होती है।)
मिहिर	:	राजमा-चावल कैसा लगा?
मोरपाल	:	वाह! मैंने अभी तक राजमा देखा तक नहीं था।

मिहिर : मेरे लिए यह साधारण-सी चीज़ है।

मोरपाल : छाछ पसन्द आया क्या?

मिहिर : हाँ, बढ़िया है।

20. अंत में छोटू उर्फ़ कलाम का सपना साकार होता है। वह अपनी सफ़लता की बात डायरी में लिखता है। संभावित डायरी लिखें।

23.10.21 बुधवार

आज मैं बहुत खुश हूँ। क्योंकि मेरा सपना साकार हो गया। चाय की दूकान में काम करते समय मेरा सपना था स्कूल में भर्ती होकर अच्छी तरह पढ़ाई करना। मेरा साथी रणविजय तथा लूसी मैडम ने मेरी मदद की थी। मैडम ने वादा किया था कि मुझे दिल्ली लेकर जाएँगी। लेकिन मुझे अपने आप दिल्ली जाना पड़ा। बाद में रणविजय और उसके परिवार की मदद से मैं स्कूल जा सका। वैसे मेरा सपना साकार हो गया। यह बात मैं कभी भूल नहीं सकता ।

पाठ - 5

सबसे बडा शो मैन

हिन्दी के महान कवि और जीवनीकार गीत चतुर्वेदी से लिखी गई चार्ली चाप्लिन की जीवनी का अंश।
एक दिन थियटर में गाना गाते समय चैप्लिन की माँ की आवाज़ खराब हो गई।
यह सुनकर लोग चिल्लाने लगे।
माँ ने मैनेजर के निर्देशानुसार चार्ली को स्टेज पर भेजा।
चार्ली ने वहाँ खड़े होकर मशहूर गायक जैक जोन्स का गाना गाया, दर्शकों से बातें की, नृत्य किया और अपनी माँ सहित अनेक गायकों की नकल उतारी।
लोगों ने उसको पैसे देखर खुशी से तालियाँ बजाई।
स्टेज पर चार्ली का पहला दिन था और माँ का आंतिम दिन।
कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर चार्ली की तारीफ़ की।
यहाँ सबसे बड़े शो मैन का उदय हुआ।

1. 'सबसे बड़ा शो मैन' किसकी जीवनी है?

   चार्ली चैप्लिन की ।

2. चार्ली की माँ की आवाज़ को क्या हुआ ?

   गाते समय माँ की आवाज़ फट गई।

3. चार्ली की माँ को स्टेज से हटना पड़ा। क्यों?

   माँ की आवाज़ फट गई तो लोग चिल्लाने लगे।

4. किनके बीच बहस होती है?

   चार्ली की माँ और मैनेजर के बीच ।

5. मैनेजर क्यों ज़िद करने लगा?

   चार्ली को स्टेज पर भेजने के लिए ।

6. लोगों ने छोटे बच्चे की तारीफ़ की। क्यों ?

   बच्चे ने स्टेज पर गीत गाया, अभिनय किया, बातचीत की, नकल उतारी।

8. दर्शकों ने चार्ली का अभिनंदन कैसे किया?

दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाईं और माँ से हाथ मिलाकर चार्ली की तारीफ़ की।

रपट - रूपरेखा

- ▶ आकर्षक शीर्षक
- ▶ घटना का विवरण (क्या, कौन, कब, कैसे, कहाँ आदि प्रश्नों के उत्तर देने लायक)
- ▶ लेखक का अपना दृष्टिकोण
- ▶ वस्तुनिष्ठ

9. नीचे की सूचना के आधार पर रपट तैयार कीजिए

बालक चार्ली का स्टेज पर आना।	चार्ली की पहली और माँ की आखिरी स्टेज	हैन्ना चैप्लिन गीत गा रही थी।
दर्शकों का चिल्लाना।	पाँच वर्षीय बालक का कमाल	बडे शो मैन का पहला शो।
माँ की आवाज़ फट गई।	शहर के मशहूर थिएटर में एक प्रदर्शन	दर्शक खड़े होकर तालियाँ बजाने लगे।
दुनिया के सबसे बडे शो मैन का जन्म।		माँ का स्टेज छोडना

पाँच वर्षीय बालक का कमाल

लंदन : आज शहर के मशहूर थिएटर में एक प्रदर्शन चल रहा था। वहाँ हेन्ना चैप्लिन गीत गा रही थी। अचानक उसकी आवाज़ फट गई। दर्शकों के शोर से उसे स्टेज छोड़ना पड़ा। उसके स्थान पर पाँच साल का उसका बेटा चार्ली स्टेज पर आ गया। उसने बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया। दर्शक खड़े होकर तालियाँ बजाने लगे। चार्ली की पहली और माँ की आखिरी स्टेज था। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह बालक कल बडा शो मैन बन जाएगा।

10. **सूचनाओं की सहायता से चार्ली की माँ और मैनेजर के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें**

दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा है।
चार्ली को स्टेज पर भेजो। वह संभाल लेगा।
एक बार फिर कोशिश करके देख लो।
पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड़ को कैसे झेल पाएगा?
उसे जाना ही होगा।

मैं अब गा न सकूँगी।
अरे.... क्या करूँ ?

_____

नहीं.. मुझसे नहीं होगा।
अब क्या करें ?

_____

अरे ! नहीं, नहीं।
_____

मैंने उसे तुम्हारे.....
.....उसे भेजो ।

ज़िद न करो।
_____

मुझे कुछ नहीं सुनना है।
_____

11. सही मिलान करें।

नकल उतारना	प्रशंसा करना
गुदगुदी फैलाना	अनुकरण करना
तारीफ करना	उल्लसित करना

नकल उतारना	अनुकरण करना
गुदगुदी फैलाना	उल्लसित करना
तारीफ़ करना	प्रशंसा करना

12. सही वाक्य चुनकर लिखें।

क) चार्ली गीत गाना लगा। ख) चार्ली गीत गाने लगा।

ग) चार्ली गीत गाने लगी। घ) चार्ली गीत गाने लगे।

ख) चार्ली गीत गाने लगा।

13. वाक्य - पिरामिड़ की पूर्ति करें ।

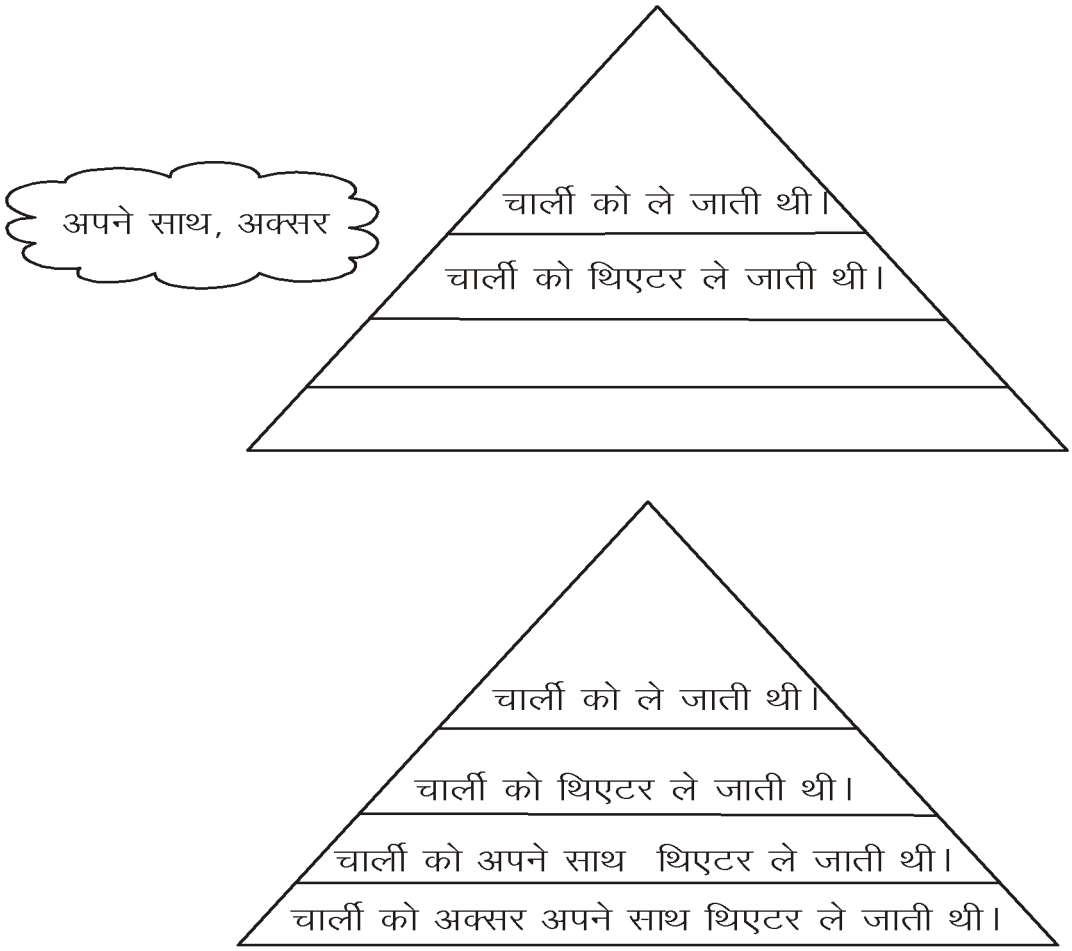

इकाई -3
पाठ - 6
अकाल और उसके बाद

1. अकाल और उसके बाद कविता का अंश पढकर उत्तर लिखें।

कई दिनों तक चुल्हा रोया चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त

1) समान आशयवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखें। कई दिनों से चूल्हा और चक्की उदास थी।

कई दिनों तक चुल्हा रोया, चक्की रही उदास।

2) इन पंक्तियों में किसका वर्णन है?

(अकाल का, गरीबी का, अमीरी का)

अकाल का

3) भीत पर कौन था?

(कुत्ता, चूहा, छिपकली)

छिपकली

4) सही मिलान करें

कुतिया	उदास रही
चूल्हा	सोई
छिपकली	रोया
चक्की	गश्त

कुतिया	सोई
चूल्हा	रोया
छिपकली	गश्त
चक्की	उदास रही

2. सूचनाओं की सहायता से 'अकाल और उसके बाद ' कविता में वर्णित 'अकाल' पर एक टिप्पणी तैयार करें।

चूहे की हालत भी अनाज के बिना अत्यंत दयनीय है।

अनाज के अभाव में अनुपयोगी लगने से चुल्हा और चक्की उदास दिखाई पड़ते हैं।

अकाल

छिपकलियाँ भी खाने की तलाश में दीवारों पर इधर - उधर घूमती रहती हैं।

खाने की प्रतीक्षा में चूल्हे और चक्की के पास कानी कुत्तिया सो जाती है।

अकाल

श्री.नागार्जुन की एक छोटी सी कविता है, अकाल और उसके बाद। कविता के दो भाग हैं। पहले भाग में अकाल का और दूसरे भाग में अकाल के बाद का वर्णन है। कवि कहते हैं कि .....

.....

.....

अकाल

श्री.नागार्जुन की एक छोटी सी कविता है, अकाल और उसके बाद। कविता के दो भाग हैं। पहले भाग में अकाल का और दूसरे भाग में अकाल के बाद का वर्णन है। कवि कहते हैं कि अनाज के अभाव में अनुपयोगी लगने से चुल्हा और चक्की उदास दिखाई पड़ते हैं। खाने की प्रतीक्षा में चुल्हे और चक्की के पास कानी कुतिया सो जाती है। छिपकलियाँ भी खाने की तलाश में दीवारों पर इधर - उधर घूमती रहती हैं। चूहों की हालत भी अनाज के बिना अत्यंत दयनीय है।

- विशेषण शब्द चुनकर लिखें।

  (कुतिया, चूल्हा ,कानी, चक्की)

  कानी

- आँगन से ऊपर क्या उठा?

  धुआँ

- किसने पाँखें खुजलाईं?

  कौए ने

- कई दिनों के बाद क्या चमक उठीं ?

  घर भर की आँखें

- कई दिनों के बाद घर के अंदर क्या आए?

  दाने आए

- 'दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद

  धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद

  चमक उठीं घर भर की आँखें कई दिनों के बाद

  कौए ने खुजलाईं पाँखें कई दिनों के बाद। 'कवि और कविता का परिचय देते हुए प्रस्तुत पंक्तियों का आशय लिखें।

  श्री नागार्जुन की एक छोटी कविता है 'अकाल और उसके बाद'। यहाँ अकाल के बाद का वर्णन है । कई दिनों के बाद घर के अंदर दाने आए। आँगन से ऊपर धुआँ उठा। कई दिनों के बाद घर भर की आँखें चमक उठीं। यानि सब संतुष्ट हुए। कई दिनों के बाद कौए ने अपनी पाँखें खुजलाईं।

पाठ - 7
ठाकुर का कुआँ

प्रेमचंद

प्रेमचंदजी की एक प्रमुख कहानी है 'ठाकुर का कुआँ'। ठाकुर उच्च जाति के हैं। निम्न जाति के लोगों को उनके कुएँ से पानी भरने की अनुमति नहीं थी।

जोखू और गंगी पति-पत्नी हैं। जोखू कई दिन से बीमार है। गंगी ने उसे पीने का पानी दिया तो उसमें बदबू थी। पानी लेने के लिए वह ठाकुर के कुएँ पर गई। पानी-भरा घड़ा खींच रही थी तभी ठाकुर का दरवाज़ा खुला। गंगी डर गई। उसके हाथ से रस्सी छूट गई। वह जान लेकर भागी। पर घर पहुँची तो जोखू वही गंदा पानी पी रहा था।

◈ 'ठाकुर का कुआँ' किस विधा की रचना है?

कहानी

◈ 'ठाकुर का कुआँ' कहानी का लेखक कौन है?

प्रेमचंद

◈ बोली-'यह पानी कैसे पिओगे? न जाने कौन जानवर मरा है। कुएँ से मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ।'-

यह किसने कहा था?

गंगी ने

◈ प्रस्तुत प्रसंग पर गंगी और जोखू के बीच की बातचीत लिखें।

जोखू : गंगी,थोड़ा पानी दे दो।

गंगी : यह सड़ा पानी कैसे पिएँगे?

जोखू : प्यास के मारे रहा नहीं जाता। ला,थोड़ा पानी नाक बंद करके पी लूँ।

गंगी : नहीं,खराब पानी पीने से बीमारी बढ़ जाएगी।

जोखू : गंगी,गला सूखा जा रहा है।

गंगी : यह पानी कैसे पिओगे? न जाने कौन जानवर मरा है। मैं कुएँ से दूसरा पानी लाए देती हूँ।

◈ आपके स्कूल मे 'जाति -प्रथा एक अभिशाप है ' विषय पर एक संगोष्ठी होने वाली है।इसके लिए एक पोस्टर तैयार करें ।

जी एच एस एस
तिरुवनन्तपुरम
संगोष्ठी

विषय : जाति प्रथा एक अभिशाप है
स्थान : स्कूल सभागृह
समय : 14-09-2022 सुबह दस बजे
उद्घाटन : प्रधान अध्यापक
प्रस्तुति : हिंदी क्लब के छात्र

सब का स्वागत

◈ 'जाति प्रथा एक अभिशाप है।' इसका संदेश देते हुए एक पोस्टर तैयार करें।

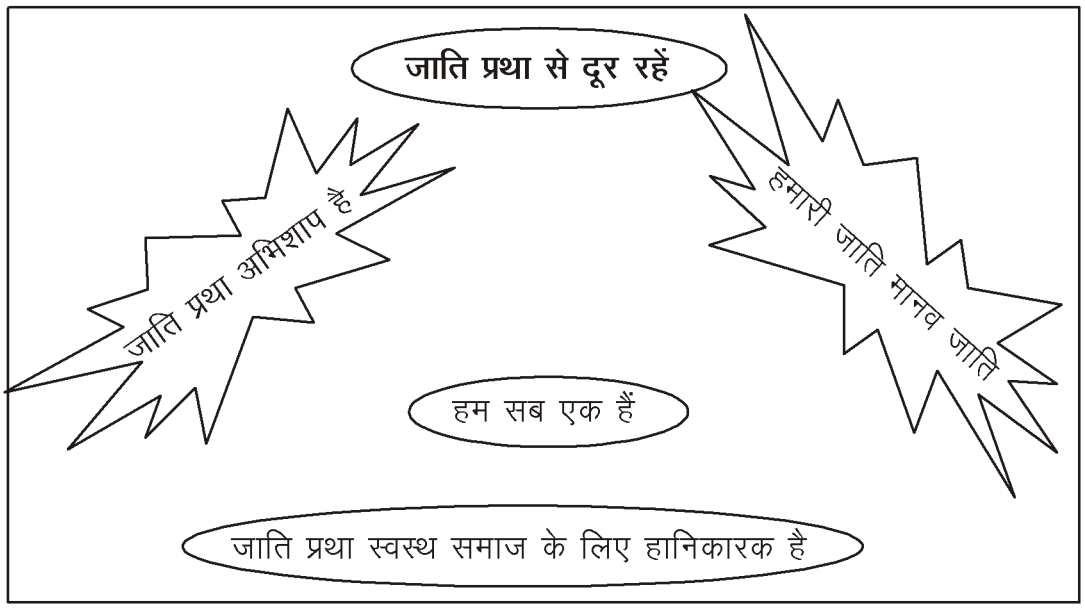

◈ संकेतों की सहायता से गंगी के चरित्र पर टिप्पणी लिखें।

- ठाकुर का कुआँ कहानी का स्त्री पात्र।
- पति के स्वास्थ्य का ध्यान रखनेवाली।
- आत्मविश्वास दिखानेवाली।
- विद्रोही दिलवाली।

गंगी

''ठाकुर का कुआँ'' कहानी का स्त्री पात्र है गंगी। गंगी जोखू की पत्नी है। लोग उसे अछूत मानते हैं। अपने बीमार पति को साफ़ पानी पिलाने में वह असमर्थ हो जाती है। पति के स्वास्थ्य का ध्यान रखने वाली है। लेकिन पानी को उबाल देने से खराबी जाती है यह उसे नहीं पता है। तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था के कारण वह ठाकुर के कुएँ से पानी नहीं ले सकती। लेकिन उसका मन विद्रोह करने लगता है। वह गरीब, तथा असहाय है। सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध विद्रोह करनेवाली औरत है गंगी।

इकाई - 4
पाठ - 8
बसंत मेरे गाँव का

- 'बसंत मेरे गाँव का ' लेख का लेखक कौन है ?

  मुकेश नौटियाल

- 'बसंत मेरे गाँव का ' किस शैली की रचना है?

  लेख

- फूलदेई का त्योहार किस ऋतु में मनाया जाता है?

  बसंत ऋतु में

- नंदा पर्वत कहाँ स्थित है?

  पंचाचूली की बर्फ़ानी चोटियों और चौखंभा के चार शिखरों के बीच में नंदा पर्वत स्थित है ।

- उत्तराखंड का प्रमुख त्योहार कौन-सा है?

  फूलदेई

- सरसों के फूलों का रंग क्या है ?

  पीला

- पशुचारकों की पुरानी वसूली कब की जाती है?

  बर्फीले मौसम में निचले इलाकों की ओर जाते वक़्त पशुचारकों की पुरानी वसूली की जाती है

- वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें।

(खूबसूरत, पहाडों में)

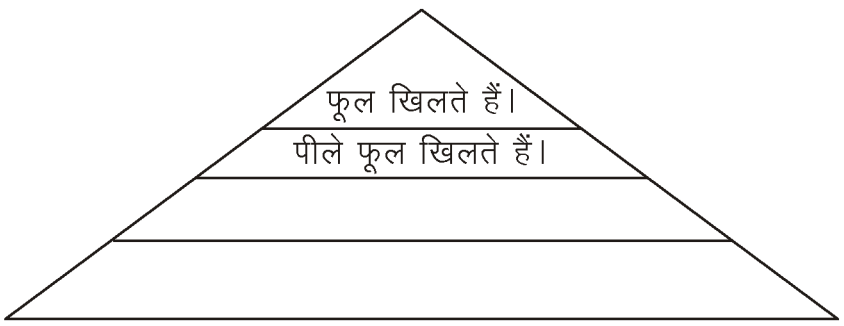

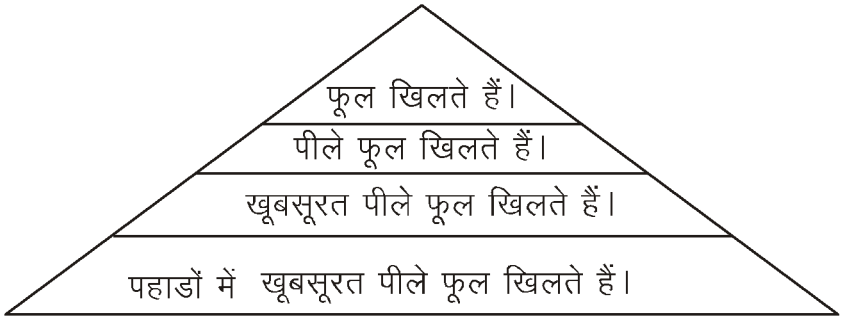

◈ उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई त्योहार धूम-धाम से मनाया गया। एक समाचार तैयार करें।

फूलदेई त्योहार धूम-धाम से मनाया गया

उत्तराखंडः- उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई का त्योहार धूम-धाम से मनाया गया। वहाँ फूलदेई से बड़ा बच्चों का कोई दूसरा त्योहार नहीं है। इसमें बड़ों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित रहती है। बाकी सारे काम बच्चे करते हैं। इन दिनों में देर शाम तक बच्चे फूल चुनते हैं और ये फूल घरों की देहरियों पर सजाए जाते हैं। घरवाले बच्चों को गुड, चावल, दाल आदि दक्षिणा के रूप में देते हैं। दक्षिणा में मिली यह सामग्री इक्कीस दिन तक इकट्ठा की जाती है। अंतिम दिन इससे सामूहिक भोज बनाया जाता है।

◈ सही मिलान करें।

सूरज जब चौखंभा पर्वत के ठीक पीछे से उदय होने लगता है,	ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा।
पंचाचूली की पाँच चोटियों की ओर से जब सूरज प्रकट होता है,	तब जेठ शुरू होता है।
जब तक हिमालय रहेगा	तब हाड़कँपा देनेवाली ठंड पड़ती है।
सूरज जब चौखंभा के शिखर से उगता है,	जेठ की गर्मी चरम पर होती है।

सूरज जब चौखंभा पर्वत के ठीक पीछे से उदय होने लगता है,	तब जेठ शुरु हो जाता है।
पंचाचूली की पाँच चोटियों की ओर से जब सूरज प्रकट होता है,	तब हाड़कँपा देनेवाली ठंड पड़ती है।
सूरज जब चौखंभा के शिखर से उगता है,	तब जेठ की गर्मी चरम पर होती है।
जब तक हिमालय रहेगा,	ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा।

पाठ - 9
दिशाहीन दिशा

◈ 'दिशाहीन दिशा' यात्रावृत्त का लेखक कौन है ?

मोहन राकेश

◈ नाव यात्रा में किसने गज़लें सुनाईं ?

मल्लाह ने

◈ 'नाव खेनेवाला' इसके लिए प्रयुक्त शब्द क्या है?

मल्लाह

◈ 'खामोश हो जाना' से क्या तात्पर्य है?

मौन हो जाना

◈ बूढ़ा मल्लाह लौटने को क्यों कहता है?

सर्दी बढने से

◈ मल्लाह के खामोश हो जाने का क्या प्रभाव लेखक पर हुआ?

लेखक को रात, सर्दी और नाव का हिलना आदि का अनुभव होने लगा। झील का विस्तार भी खुल गया।

◈ सही विकल्प चुनकर लिखें ।

(लेखक ने गज़ल सुनाई । अविनाश ने गज़ल सुनाई । मल्लाह ने गज़ल सुनाई । अविनाश और लेखक दोनों ने गज़ल सुनाई।)

मल्लाह ने गज़ल सुनाई ।

◈ अब्दुल जब्बार का व्यक्तित्व बडा प्रभावशाली है। उनके चरित्र पर टिप्पणी लिखें।

अब्दुल जब्बार

मोहन राकेश का यात्रा विवरण 'दिशाहीन दिशा' का एक मुख्य पात्र है बूढ़ा मल्लाह - अब्दुल जब्बार। वह गरीब और साधारण व्यक्ति है। वह रात-दिन मेहनत करता है। वह गज़लें अच्छी तरह गाता था। उसका गला काफ़ी अच्छा था और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था। संक्षेप में कहें तो मल्लाह के गायन ने मोहन राकेश और अविनाश की सैर को अविस्मरणीय बना दिया।

◈ संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

मोहन राकेश ने पहले सोचा था	भोपाल ताल घूमने गया।
मोहन राकेश की बड़ी इच्छा थी	मोहन राकेश समुद्रतट की य़ात्रा न कर सके।
समय और साधन की कमी से	समुद्र तट का सफ़र करें।
मोहन राकेश अविनाश के साथ	कन्याकुमारी चला जाऊँ।

मोहन राकेश ने पहले सोचा था	समुद्र तट का सफर करें।
मोहन राकेश की बड़ी इच्छा थी	कन्याकुमारी चला जाऊँ।
समय और साधन की कमी से	मोहन राकेश समुद्रतट की यात्रा न कर सके।
मोहन राकेश अविनाश के साथ	भोपाल ताल घूमने गया।

◈ भोपाल ताल की सैर के अनुभवों के ज़िक्र करते हुए मित्र के नाम मोहन राकेश का पत्र लिखें।

स्थान

तारीख

प्रिय मित्र सुशील जी,

नमस्कार। कैसे हैं आप? आप का लेखन कैसे चल रहा है? कोई नई सृष्टियाँ आई हैं क्या? मैं अब भोपाल में हूँ मित्र अविनाश के साथ। तुम्हें पता है न अविनाश को? मैंने उनके साथ शहर के प्रसिद्ध तालाब भोपाल ताल में सैर की थी। नाव चलानेवाला मल्लाह अब्दुल जब्बार ने कुछ गज़लें पेश कीं। बहुत अच्छा लगा था। सुनाने का अदाज़ भी शायराना था। जब वह गाने लगा तो हम उसमें लीन हो गए। पर उसके खामोश होते ही सारा वातावरण बदल गया । भोपाल ताल का सैर एक सुन्दर अनुभव था। घर में सब ठीक हैं न ? सभी को मेरा प्रणाम कह देना।

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
मोहन राकेश

सेवा में

नाम

पता

इकाई - 5
पाठ - 10
बच्चे काम पर जा रहे हैं

◈ 'बच्चे काम पर जा रहे हैं ' किसकी कविता है ?

राजेश जोशी की

◈ कविता समाज की किस समस्या की ओर संकेत करती है?

बालश्रम की ओर

◈ बच्चे काम पर क्यों जाते हैं ?

भूख या गरीबी के कारण कुछ बच्चे काम पर जाने के लिए विवश होते हैं ।

◈ वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें ।

(किताबों को, रंगबिरंगी)

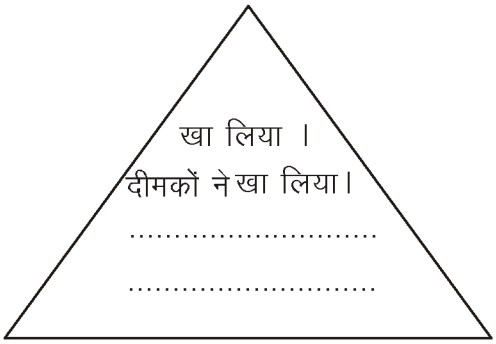

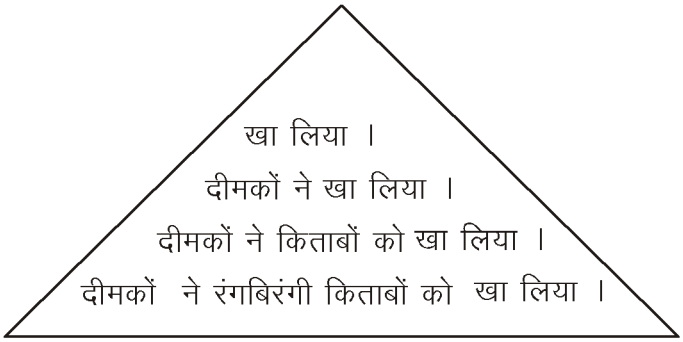

◈ बचपन से वंचित कई बच्चे हैं। उनकी मदद करना हमारी जिम्मेदारी है। बालश्रम के विरूद्ध हमारी जिम्मेदारी न भूलें । बच्चों की मदद करें। पोस्टर तैयार करें ।

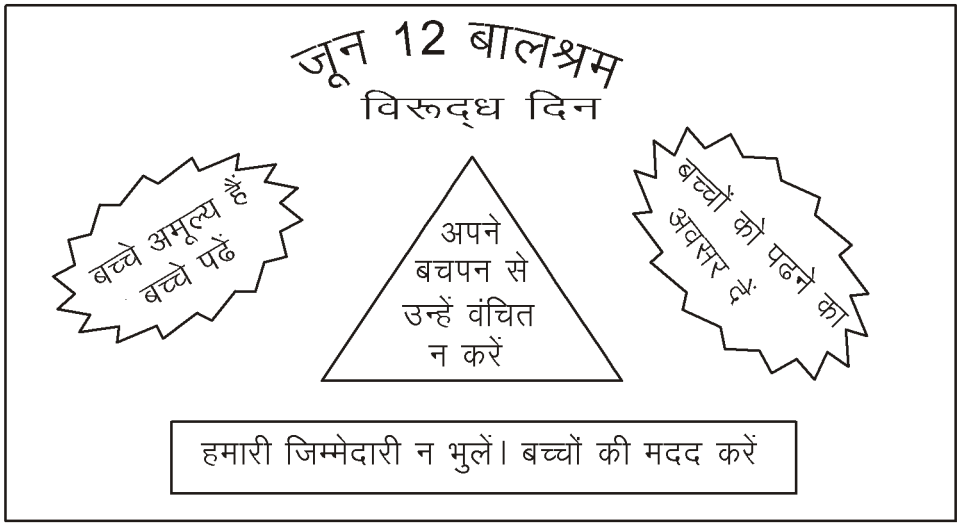

◈ ये बातें किससे संबंधित है ? मिलान करके लिखें।

दीमकों ने खा लिया है	सारे खिलौने ।
भूकंप में ढह गई है	सारी गेंदें।
पहाड़ के नीचे दब गए हैं	किताबों को।
अंतरिक्ष में गिर गई हैं	मदरसों की इमारतें।

दीमकों ने खा लिया है	किताबों को।
भूकंप में ढह गई है	मदरसों की इमारतें।
पहाड़ के नीचे दब गए हैं	सारे खिलौने।
अंतरिक्ष में गिर गई हैं	सारी गेंदें।

◈ बच्चे काम पर जा रहे हैं - कविता पर टिप्पणी लिखें।

बच्चे काम पर जा रहे हैं

बच्चे काम पर जा रहे हैं , श्री राजेश जोशी की सुंदर कविता है। यहाँ कवि सामाजिक समस्या बालश्रम के प्रति हमारा ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। यह कविता बालश्रम के विरुद्ध पुकार है।

इस कविता के ज़रिए कवि हमें याद दिलाते हैं कि दुनिया भर के कई छोटे-छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं। कोहरे से ढ़ँकी सड़क पर सबेरे वे काम केलिए जा रहे हैं। उनके चेहरों पर सारी परेशानियाँ देख सकते हैं। घरवालों की गरीबी के कारण वे अपने बचपन से वंचित रह जाते हैं। कवि की राय में इस बात को सवाल की तरह प्रस्तुत करना चाहिए कि हमारे कुछ बच्चे क्यों काम पर जा रहे हैं? कवि ने हमारे समाज की दयनीय स्थिति पर यहाँ बल दिया है।

पाठ - 11
गुठली तो पराई है

◈ 'गुठली तो पराई है' कहानी का कहानीकार कौन है ?

कनक शशि ।

◈ बड़ी बुआ से बातें करना गुठली पसंद नहीं करती। क्यों ?

बड़ी बुआ के उपदेशों से गुठली बहुत परेशान है। उनका कहना है कि ससुराल ही लड़कियों का असली घर है। इस बात को गुठली नहीं मानती है ।

◈ 'लगा जैसे उसके पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गई हो।' गुठली को ऐसा क्यों लगा ?

माँ भी बुआ जी के साथ देने से गुठली हताश हो गई।

◈ 'गुठली तो पराई है' कहानी की सामाजिक समस्या क्या है?

लड़की-लड़के का भेदभाव ।

◈ दीदी की शादी के कार्ड पर गुठली का नाम नहीं था। क्यों?

दादा जी का कहना है कि घर की छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते ।

◈ कहानी के अंत में गुठली ने क्या किया ?

गुठली चुप रहने वालों में से नहीं है। लड़की-लड़के के भेदभाव के विरुद्ध वह आवाज उठाती रहती है।

◈ गुठली सोचती रही क्या यह घर उसका नहीं? क्या उसके आम की कैरियाँ वह कभी नहीं खा पाएगी? उसके मन में ये विचार आने लगे। उसके विचारों को डायरी के रूप में लिखें।

22	अक्तूबर	2021	शनिवार

आज का दिन मैं कभी नहीं भूलूँगी। आज एक अविस्मरणीय घटना हुई। मेरा मन खराब है। बुआ की बातें अभी कानों पर हैं। क्या, मैं किसी और की अमानत हूँ? मैं कभी यह मान न सकती । यही तो मेरा घर है। क्या, यहाँ के आम की कैरियाँ मैं कभी खा नहीं पाऊँगी? बगीचे में बनाई क्यारियाँ, मछलियों के लिए तालाब, कुत्ता, नानू... क्या, सब उसका है? नहीं .. कभी ऐसा नहीं होगा। ये सब मेरा भी है।

◈ बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ - विषय पर पोस्टर तैयार करें।

बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ

बेटी है तो कल है

समाज को प्रगति के रास्ते ले आएँ

बेटियाँ ईश्वर का उपहार ....
मत छीनो इनका अधिकार

चलो पढ़ें कुछ
कर दिखाएँ

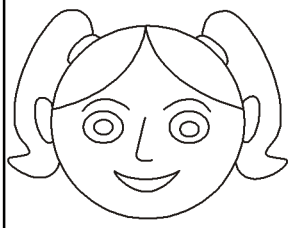

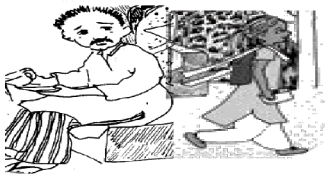

नाम कार्ड पर नहीं छपते
छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते।

अपने,
घर की

अपने घर की छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते।

नाम कार्ड पर नहीं छपते।
छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते।
घर की छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते।
अपने घर की छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते।

कक्षा - 10

ASSESSMENT TOOL
प्रश्न पत्र - 1

समय : 90 मिनट
कुल : 40

सामान्य निर्देश

- पहला 15 मिनट कूल ऑफ टाइम है। इस समय प्रश्नों का वाचन करें और उत्तर लिखने की तैयारी करें।
- वैकल्पिक प्रश्नों में से किसी **एक** का ही उत्तर लिखें।

सूचना: 'बीरबहूटी' कहानी का यह अंश पढ़ें, प्रश्न 1 और 2 के उत्तर लिखें।

"एक पैन स्याही भर दो।" साहिल से पहले ही बेला ने दुकानवाले से कहा। "बेटा स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गई है। अब तो कल ही मिल पाएगी।" "लेकिन इसने तो पैन में जो स्याही थी उसे भी ज़मीन पर छिड़क दिया।" बेला बोली। "बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।" दुकानवाले भैया ने कहा।

1. सही विकल्प चुनकर लिखें।

(क) ये +ने - इसने (ख) यह +ने - इसने

(ग) वे +ने - इसने (घ) वे +ने - इसने (1)

2. कहानी के इस प्रसंग के अनुसार **पटकथा** का एक दृश्य लिखें।

अथवा

दुकानदार और बेला के बीच का **वार्तालाप** तैयार करें। (4)

3. बालश्रम दुनिया की एक भीषण समस्या है। बालश्रम से बच्चों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। बालश्रम के विरुद्ध जनता को संदेश देते हुए **पोस्टर** तैयार करें। (4)

4. नीचे दी गई सूचनाओं के आधार पर खंभा भरें। (4)

मोरपाल	मिहिर

(छाछ एक सामान्य चीज़ है।, राजमा एक सामान्य चीज़ है।

स्कूल जाना पसंद है।, छुट्टी के दिन बहुत पसंद है)

अथवा

मोरपाल की दोस्ती के बारे में बताते हुए मिहिर अपने एक मित्र को पत्र लिखता है। वह पत्र कल्पना करके लिखें।

5. सही मिलान करें (4)

क	ख
हाथ में पैसा आने पर	गज़ल गायक है।
भोपाल स्टेशन पर	झील की सैर करते रहे।
अब्दुल जब्बार	यात्रा करने का निश्चय किया।
पूरी रात गज़लें सुनते हुए	अविनाश से मिला।

सूचना: 'टूटा पहिया' कविता की पंक्तियाँ पढें, प्रश्न 6 और 7 के उत्तर लिखें।

इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले!

6. 'सत्य का पक्ष टूटे हुए पहियों का आश्रय ले सकता है।'
यह आशयवाली पंक्ति कवितांश से चुनकर लिखें। (1)

7. टूटा पहिया किसका प्रतिनिधि है? (1)
(क) महारथियों का (ख) उपेक्षित मानव का
(ग) कवि का (घ) शासकों का

सूचना : "गुठली तो पराई है" कहानी का अंश पढें, प्रश्न 8 और 9 के उत्तर लिखें।

पीछे से बुआ की आवाज़ सुनाई दी, "चौदह की हो गई पर अकल नहीं आई छोरी को।"
माँ बोली, "बचपना है दीदी समझ जाएगी।"

8. अकल नहीं आई छोरी को - यहाँ छोरी कौन है? (1)
(क) माँ (ख) बुआ (ग) गुठली (घ) नानु

9. बुआजी के इस कथन का मतलब क्या होगा? (1)
क) गुठली समझदार है। ख) गुठली समझदार नहीं है।
ग) गुठली पढ़ी लिखी है। घ) गुठली पढ़ी लिखी नहीं है।

सूचना: 'बसंत मेरे गाँव का' लेख का यह अंश पढें, प्रश्न 10 और 11 के उत्तर लिखें।

महीनों तक फैले चरागाहों, घने जंगलों और अनजान बस्तियों में भटकने के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है। वे गीत गाते हैं, नाचते हैं । पशुचारकों के साथ उनकी भेड़, बकरियाँ, घोड़े-खच्चर और कुत्ते भी होते हैं। रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन-देन भी होता रहता है।

10. पशुचारकों की खुशी का कारण क्या है? (1)

11. आपसी विश्वास के दम पर वर्षों से यह लेन-देन चल रहा है। यहाँ गाँववालों की कौन सी विशेषता प्रकट होती है? (2)

12. कोष्ठक के शब्दों की सहायता से वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें। (2)

(व्यक्ति की, हताशा को)

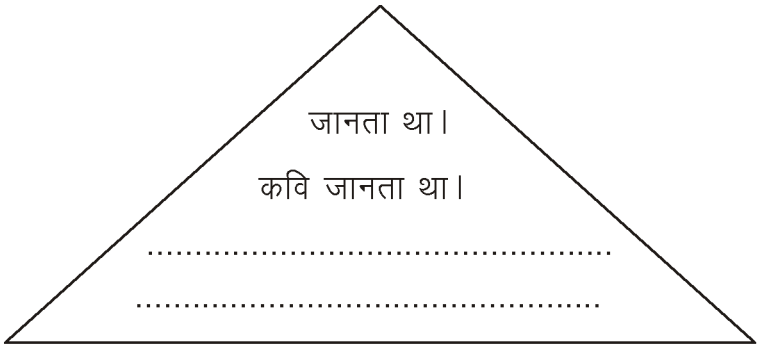

सूचना: 'ठाकुर का कुआँ' कहानी का यह अंश पढें, प्रश्न 13 और 14 के उत्तर लिखें।

ठाकुर "कौन है, कौन है?" पुकारते हुए कुएँ की तरफ़ आ रहे थे और गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी। घर पहुँचकर देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगाए वही मैला-गंदा पानी पी रहा है।

13. 'ठाकुर का कुआँ' कहानी किस सामाजिक समस्या पर आधारित है? (1)

(क) बेकारी (ख) बालश्रम (ग) जातिप्रथा (घ) भ्रष्टाचार)

14. प्रस्तुत अंश के आधार पर गंगी की **डायरी** तैयार करें। (4)

अथवा

सूचनाओं के आधार पर 'जातिप्रथा एक अभिशाप है' विषय पर लेख लिखें।

- विकट समस्या
- जातीय असमानता तथा अत्याचार
- समानता का अधिकार
- आदमी कर्म से महान

15. 'अकाल और उसके बाद' कविता का अंश पढें और पंक्तियों का आशय लिखें। (4)

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।

सूचनाः 'सबसे बडा शो मैन' जीवनी का यह अंश पढें, प्रश्न 16 और 17 के उत्तर लिखें।

चार्ली को वह अक्सर अपने साथ थिएटर ले जाती थी। उस दिन भी पर्दे के पीछे खड़ा वह आवाज़ के तमाशे को देख रहा था। माँ और मैनेजर में बहस होते देख वह वहाँ गया। मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था और वह उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा।

16. कोष्ठक से उचित उत्तर चुनकर वाक्य की पूर्ति करें। (1)

माँ ज़िद.....।

(क) करने लगा (ख) करने लगी

(ग) करनी लगा (घ) करनी लगी

17. अंततः मैनेजर चार्ली को स्टेज पर ले गया। यह चार्ली का पहला शो था। उसने कमाल कर दिया। इसपर समाचार पत्र की **रपट** तैयार करें. (4)

ASSESSMENT TOOL

कक्षा - 10

प्रश्न पत्र - 2

समय : 1½ घंटे

अंक : 40

सामान्य निर्देश

- पहला 15 मिनट कूल ऑफ टाइम है। इस समय प्रश्नों का वाचन करें और उत्तर लिखने की तैयारी करें।
- वैकल्पिक प्रश्नों में से किसी **एक** का ही उत्तर लिखें।

1. **सूचना:** 'बीरबहूटी' कहानी का अंश पढें और 1 से 3 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। दोनों छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था। "साहिल तुम कहाँ पढोगे?" बेला ने पूछा। "और तुम कहाँ पढोगी बेला?" साहिल ने पूछा। मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढाएँगे और तुम?" मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।

1. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें। (1)

- ■ बेला और साहिल परीक्षा लिखने के लिए स्कूल आए थे।
- ■ बेला और साहिल रिज़ल्ट जानने के लिए स्कूल आए थे।
- ■ बेला और साहिल छठी में प्रवेश पाने के लिए स्कूल आए थे।
- ■ बेला और साहिल बिदाई समारोह के लिए स्कूल आए थे।

2. छठी कक्षा में बेला और साहिल कहाँ पढेंगे? (2)

3. रिज़ल्ट के दिन साहिल दुःखी होकर घर पहुँचा।

साहिल और माँ के बीच की **बातचीत** तैयार करें। (4)

अथवा

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आया। बेला अपने अनुभवों को डायरी में लिखने लगी। बेला की डायरी कल्पना करके लिखें।

सूचना : लिखित कवितांश पढकर उसके नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत
इतिहास की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहिए का आश्रय लें!

4. 'टूटा पहिया' इसमें विशेषण शब्द कौन-सा है? (1)

5. टूटा पहिया किसका प्रतिनिधित्व करता है?

(क) शासकों का (ख) कवि का (ग) उपेक्षित मानव का (घ) महारथियों का (1)

6. कवि और कविता का परिचय देते हुए पंक्तियों का आशय लिखें? (4)

सूचना: 'सबसे बड़ा शो मैन' जीवनी का अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

गाते-गाते अचानक माँ की आवाज़ फुसफुसाहट में तब्दील हो गई। लोग चिल्लाने लगे। इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया। मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा। माँ डर गई। पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड़ को झेल पाएगा?

7. 'उसने' में निहित सर्वनाम कौन सा है? (1)

(वह, यह, वे, ये)

8. चार्ली की माँ क्यों डर गई? (2)

सूचना : 'ठाकुर का कुआँ' कहानी का अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

कुप्पी की धुंधली रोशनी कुएँ पर आ रही थी। गंगी कुएँ की आड़ में बैठी मौके का इतंज़ार करने लगी। इस कुएँ का पानी सारा गाँव पीता है। किसीके लिए रोक नहीं, सिर्फ ये बदनसीब नहीं भर सकते ।

9. 'मौके का इंतज़ार करना' इसका मतलब क्या है? (1)

- ♦ अवसर का दुरुपयोग करना।
- ♦ अवसर प्राप्त करना।
- ♦ अवसर की योजना करना।
- ♦ अवसर की प्रतीक्षा करना।

10. 'इस कुएँ का पानी सारा गाँव पीता है। किसी के लिए रोक नहीं, सिर्फ ये बदनसीब नहीं भर सकते।' गंगी के इस विचार पर आपकी राय लिखें? (2)

11. दिसंबर 10 को आपके स्कूल में हिंदी क्लब के नेतृत्व में 'जाति प्रथा एक अभिशाप है' विषय पर एक संगोष्ठी चलानेवाली है। इसके लिए एक **पोस्टर** तैयार करें? (4)

12. सही मिलान करें? (3)

मिहिर	दिल्ली जाना चाहता है।
मोरपाल	रविवार की छुट्टी का दिन बुरा लगता।
कलाम	स्कूल जाने में रोया करता।

सूचना : "अकाल और उसके बाद" कविता का यह अंश पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद।
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद।
चमक उठी घर भर की आँखें कई दिनों के बाद।
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद।

13. पंक्तियों में किसका वर्णन है? (1)

(बसंत का, अकाल के पूर्व का, अकाल का, अकाल के बाद का)

14. 'चमक उठी घर भर की आँखें'- का मतलब क्या है? (1)

(कुत्ते की आँखें, बिल्ली की आँखें, कौए की आँखें, घर के सारे प्राणियों की आँखें)

15. कवि ने अकाल के बाद का वर्णन कैसे किया है?कवितांश पर टिप्पणी लिखें। (4)

16. वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें। ? (2)

(दोपहरी में, गुनगुनी)

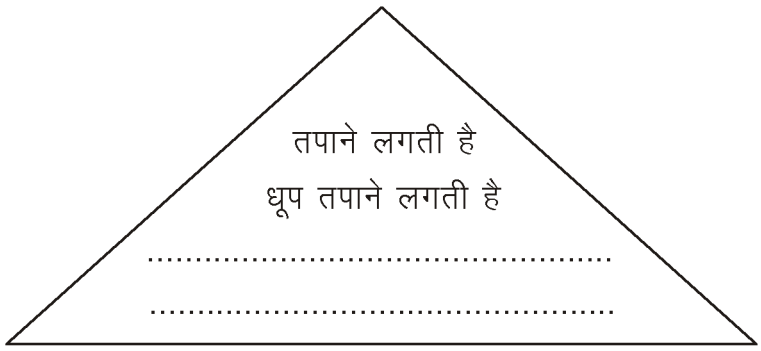

सूचनाः "गुठली तो पराई है।" कहानी का अंश पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

गुठली बोलीः "अपना घर? यह तो मेरा घर जहाँ मैं पैदा हुई।" बुआ हँसके बोली, "अरी बेवकूफ यह घर तो पराया है। बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है। ससुराल ही तेरा असली घर होगा।"

17. बुआ के इस प्रस्ताव पर आपका विचार क्या है? (2)

18. प्रस्तुत प्रसंग पर **पटकथा** का एक दृश्य लिखें। (4)